तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शनिवार, 29 अगस्त 2026

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

2 मंडलपारा सड़क पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढे, हादसे का मंडरा रहा खतरा



खबर संक्षेप

लो-प्रेशर के प्रभाव से आगामी चार दिनों तक भारी वर्षा की चेतावनी

अम्बिकापुर। मौसम में आए बदलाव के कारण फिलहाल लगातार हो रही बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है। उड़ीसा में सक्रिय लो फ्रेशर के प्रभाव से शहर सहित पूरे संभाग में 31 अगस्त से 3 सितम्बर तक भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दौरान कहीं-कहीं भारी वर्षा होने एवं शुरूआत में तेज रफ्तार हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। खाड़ी में सक्रिय सिस्टम के प्रभाव से रूक-रूक कर लगातार वर्षा हो रही है। हाल ही में खाड़ी में सक्रिय लो प्रेशर के प्रभाव से शहर सहित पूरे सरगुजा संभाग में लगातार तीन दिनों तक भारी वर्षा हुई थी। लो-प्रेशर के आगे निकलने के बाद भी प्रायः हर दिन वर्षा हो रही है। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल उत्तरी उड़ीसा के तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विज्ञानी लो-प्रेशर के प्रभाव से 1 सितम्बर तक कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। इस दौरान गरज-चमक के साथ तेज रफ्तार हवाएं चलने की भी संभावना जताई जा रही है। लगातार बारिश होने के बाद भी अब तक सरगुजा जिला में औसत वर्षा की पूर्ति नहीं हो सकी है। अभी भी सरगुजा जिला में औसत से 40 फीसदी कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। सरगुजा में अगस्त तक 901.4 मिमी औसत वर्षा होती है जबकि अभी तक मात्र 878.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके विपरीत बलरामपुर जिले में औसत वर्षा 759.5 मिमी की तुलना में 53.1 फीसदी अधिक 1164 मिमी वर्षा एवं सूरजपुर में औसत 924.7 मिमी की तुलना में 2 फीसदी अधिक 956.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। विकासखण्ड अम्बिकापुर में मानसून काल की संपूर्ण वर्षा का 90 फीसदी वर्षा पूरी हो चुकी है। मौसम कार्यालय द्वारा अम्बिकापुर में अब तक 106.7 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

चोरी की शंका पर महिला की हत्या, आरोपी जेल दाखिल

सीतापुर। बीस हजार रूपए के लिए पड़ोसी महिला की पीट पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लकड़ी का डंडा बरामद किया है। विदित हो कि 27 अगस्त को संतोष यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुबह 10.30 बजे मानकी उर्फ सन्तोषी को संजय चौहान ने महज 20 हजार रूपए नगद चोरी करने की शंका पर जमकर मारपीट की और अधमरा छोड़कर चला गया। महिला को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस टीम ने लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही घटना की जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने रायगढ़ मदनपुर ठाकुरदिया हाल मुकाम सीतापुर खालबगीचा निवासी 36 वर्षीय संजय चौहान आ. स्व. फुलसाय चौहान को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा और घटना के दौरान पहना गया कपड़ा जब्त करने के साथ ही आरोपी को बीएनएस की धारा 103(1) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर अखिलेश सिंह, उनि रघुराम भगत, प्रशिक्षु उनि अनिल कुमार, प्रधान आरक्षक तीजलाल, आरक्षक राकेश यादव, धनकेश्वर यादव, मनोहर पैंकरा, शिव मूरत किंडो, अतुल कुमार शर्मा, रामप्रसाद लकड़ा सक्रिय रहे।

ग्राम केवरा में सड़क किनारे नाली में मिले गांजा के 5 पैकेट

अम्बिकापुर। थाना प्रभारी संपत पोटाई को बुधवार की रात्रि 8 बजे एनएच 130 के किनारे बोरी में गांजा जैसी वस्तु पड़े होने की सूचना मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एवं गवाहों के समक्ष बोरी की तलाशी ली तो पांच पैकेट गांजा मिला वजन कराने पर गांजा के पैकेट 4.700 किलो निकला जिसकी कीमत 47.600 रूपए आंकी गई है। पंचनामा उपरांत पैकेट को सीलबंद किया गया। मामले में पुलिस नाली में गांजा छिपाने वाले आरोपी को तलाश रही है।

सरगुजा में भी स्वाइन फ्लू ने दी दस्तक, मिला एक पॉजिटिव मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

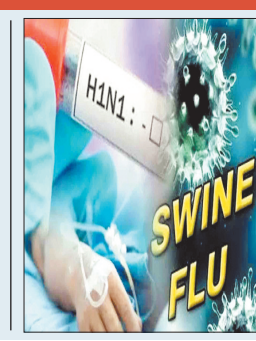
सरगुजा में भी स्वाइन फ्लू ने दस्तक दे दी है। शहर के केन्द्रीय जेल के समीप एक व्यक्ति के एच1-एन1 पॉजिटिव होने की रिपोर्ट आई है जिसके बाद हड़कंप मच गया है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग स्वाइन फ्लू को लेकर हाई अलर्ट पर है और लोगों को सावधानी बरतने के साथ ही भीड़ भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने की बात कही है। इसके साथ ही लक्षण नजर आने पर तत्काल चिकित्सको से सम्पर्क करने को कहा गया है। केस मिलने की पुष्टि सीएमएचओ डॉ. पीएस मार्को ने की है।

बता दें कि इन दिनों प्रदेश में भी एच1-एन1 वायरस के केस मिल रहे है। संक्रामक वायरस स्वाइन फ्लू के केस की पुष्ट अब प्रदेश के साथ सरगुजा में भी हो गई है। शहर के केन्द्रीय जेल के समीप एक अधिकारी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अधिकारी किसी काम से कांकेर गए हुए थे और उसके बाद उनकी तबियत बिगड़ी। इस दौरान उनका सैम्पल जांच के लिए रायपुर भेजा गया था और रायपुर में ही वे एच1-एन1 संक्रमित पाए गए। फिलहाल उनका उपचार रायपुर में ही चल रहा है। इधर एच1-एन1 की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मच गया है और स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड़ में रखा गया है। अधिकारियो के अनुसर एच1-एन1 एक संक्रामक श्वसन रोग है, जो संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या निकट संपर्क में आने से तेजी से फैल सकता है। इसकी शुरुआत सामान्य वायरल बुखार की तरह हो सकती है, लेकिन कुछ मरीजों, विशेषकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा मधुमेह, अस्थमा, हृदय रोग, किडनी रोग या कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले मरीजों में यह गंभीर रूप ले सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सर्तक रहने दी सलाह, लक्षण नजर आने पर तत्काल कराएं जांच

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

चिकित्सकों के अनुसार तेज बुखार, सूखी खांसी, गले में दर्द, शरीर में दर्द, सिर दर्द और अत्यधिक कमजोरी एच1-एन1 के सामान्य लक्षण हो सकते हैं। सांस फूलना, ऑक्सीजन का स्तर कम होना, सीने में दर्द, अत्यधिक सुस्ती, भ्रम की स्थिति या लगातार बिगड़ती तबीयत गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। ऐसे मरीजों को केवल सामान्य वायरल बुखार मानकर घर पर लंबे समय तक इलाज नहीं करना चाहिए और तत्काल चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए।



एंटीवायरल दवा की उपलब्धता को लेकर चिंता

वर्तमान में एच1-एन1 के उपचार में चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार ओसेल्टामिविर जैसी एंटीवायरल दवा गंभीर और उच्च जोखिम वाले मरीजों में महत्वपूर्ण मानी जाती है लेकिन स्तर पर इसकी पर्याप्त उपलब्धता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यदि एच1-एन1 के मामले बढ़ते हैं तो जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज तथा अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक एंटीवायरल दवाओं का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू में उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक दवाओं, मास्क, पीपीई तथा जांच संबंधी संसाधनों की कमी बताई जा रही है।

जनता घबराए नहीं, लेकिन सतर्क रहें

एच1-एन1 का मामला सामने आने का अर्थ यह नहीं है कि लोग घबराएं। अधिकांश मरीज उचित देखभाल से स्वस्थ हो जाते हैं, लेकिन संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए समय पर पहचान और सावधानी अत्यंत जरूरी है। बुखार और खांसी होने पर भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, मास्क का प्रयोग करें, खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकें तथा हाथों की नियमित सफाई करें। बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से बचना चाहिए।

-डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता
जिला सर्विलांस अधिकारी

छोटे बच्चों में दिखा भारी उत्साह

उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

रक्षाबंधन का त्यौहार शुक्रवार को शहर सहित पूरे सरगुजा में धूमधाम एवं भारी उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुखी एवं समृद्ध जीवन की कामना की वहीं भाइयों ने आजीवन बहन की रक्षा करने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर छोटे बच्चों एवं किशोरों में भारी उत्साह देखा गया।

खास बात

- मौसम खराब होने के बावजूद पूरे दिन चलता रहा राखी बांधने का क्रम

रक्षाबंधन पर राहू का साया होने के कारण सुबह होते ही बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने की तैयारियां प्रारंभ कर दी थी। बहनों ने अपने भाई के घर जाकर उनकी आरती उतारी तथा राखी बांधकर उनके सुखी जीवन की कामना की। छोटे बच्चों के उत्साह को देखते हुए रक्षाबंधन पर घर-घर विशेष तैयारियां की गई थी। घरों में बहनों ने अपने भाई के पसंद के पकवान एवं मिठाइयां तैयार की थी। भाइयों ने भी अपनी बहन के पसंद के उपहारों की खरीदी की थी। शुक्रवार को सुबह से बारिश होने के बावजूद भाई-बहन के उत्साह पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। बारिश के बीच शुभ मुहूर्त में राखी बंधवाने भाई अपनी बहन के घर पहुंचे और राखी बंधवाई। बहने भी बारिश के बीच लम्बा सफर कर अपने भाई के घर पहुंची एवं राखी बांधकर भाई के सुख, समृद्धि की कामना की। छोटे बच्चों ने भी अपनी बहनों से राखी बंधवाया तथ मिठाई एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। रक्षाबंधन पर बहनों ने अपने भाई की आरती उतारी तथा तिलक लगा कलाई पर राखी बांध अपना प्यार एवं शुभकामनाएं दी। भाइयों ने बहनों को आकर्षक उपहार देकर उनके खुशी की कामना की। शुक्रवार को देर शाम तक भाइयों को राखी बांधने का क्रम चलता रहा।



केंद्रीय जेल में राखी बांधने पहुंची बहने

शुक्रवार को जेल में निरूद्ध अपने भाई को राखी बांधने लम्बी दूरी तय कर बड़ी संख्या में पड़ने पहुंची। इस दौरान लम्बे समय के बाद जेल में निरूद्ध अपने भाई को देख बहनों की आंखे नम होने के कारण माहौल भावनात्मक हो गया था। प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बहनों को जेल में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई। केन्द्रीय जेल प्रबंधन द्वारा अलग परिसर में बहनों एवं बंदी भाइयों के मिलने की व्यवस्था की गई थी। बहनों ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांध सुखी जीवन की कामना की। इस दौरान सुबह से ही केंद्रीय जेल में बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा। केंद्रीय जेल प्रबंधन द्वारा शुक्रवार को सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई थी। संभाग की अन्य जेलों में भी रक्षाबंधन को देखते हुए विशेष व्यवस्था की गई थी।





एनएच 343 पर बेतरतीब खड़े ट्रक से टकराकर युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

एनएच 343 पर खड़े ट्रक से बाइक सवार की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया लेकिन देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक राखी की छुट्टी पर अपनी बेटियों को लेने हॉस्टल जा रहे थे। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम किया गया और घटना की जांच चल रही है।

- बेटियों को हॉस्टल से लेने जा रहा था पिता, पसरा मातम

बताया जा रहा है कि ककना निवासी 35 वर्षीय रामकिशुन पैकरा गुरुवार की दोपहर राजपुर स्थित उनके हॉस्टल जा रहे थे। इसी दौरान चाची नाका के समीप अंबिकापुर-राजपुर मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और रामकिशुन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उपचार के दौरान रात करीब 8 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। जिस पिता को अपनी बेटियों को राजपुर हॉस्टल से घर लाने के लिए निकलना था, उनकी सड़क हादसे में मौत की खबर से परिजन और परिचित सदमे में हैं।

सड़क पर खड़े भारी वाहनों से हादसे का खतरा

अंबिकापुर-राजपुर मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे भारी वाहनों के खड़े रहने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में क्रेशर संचालकों के हाईवा सहित अन्य भारी वाहन अक्सर मुख्य मार्ग पर खड़े रहते हैं। इससे आवागमन प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार विभाग से मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों को खड़ा करने पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।अंबिकापुर-राजपुर मुख्य मार्ग के बघिमा, बरियो, भेस्की, डकवा, क्षेत्र में क्रेशर संचालित है क्रेसर संचालकों के हाईवा सहित अन्य भारी वाहनों के सड़क पर खड़े रहने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्य मार्ग पर बेतरतीब तरीके से भारी वाहन खड़े रहने के बावजूद जिम्मेदार इस ओर प्रभावी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इससे आए दिन दुर्घटनाओं की स्थिति बनती रहती है।

कलेक्टर ने खुशी वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया रक्षाबंधन



बलरामपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम पहुंचीं और वहां निवासरत बुजुर्गों के साथ आत्मीयता एवं अपनत्व के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। कलेक्टर ने बुजुर्गों को अपने हाथों से राखी बांधी, उनका आशीर्वाद लिया तथा मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वृद्ध महिलाओं को साड़ियां भी भेंट की गईं।

कलेक्टर के आत्मीय व्यवहार से वृद्धाश्रम में खुशी और भावुकता का माहौल देखने को मिला। बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और अपनत्व की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कलेक्टर ने वृद्धजनों के साथ समय बिताते हुए उनके स्वास्थ्य, भोजन, रहन-सहन एवं दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान वृद्धाश्रम परिसर में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर का भी कलेक्टर ने अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर राधा-कृष्ण के दर्शन किए और मंदिर एवं आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने वृद्धाश्रम के सभी कमरों एवं परिसर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संस्था द्वारा वृद्धजनों की देखभाल एवं उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सराहना करते हुए उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर हर संभव मदद एवं सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित खुशी वृद्धाश्रम के संस्था संचालक प्रभाकर द्विवेदी सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। रक्षाबंधन के अवसर पर कलेक्टर द्वारा वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताना प्रशासन की संवेदनशीलता, मानवीय सरोकार और बुजुर्गों के प्रति सम्मान का परिचायक रहा।

एनएच 43 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बीती रात एनएच 43 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार नाबालिग की मौत हो गई। बालक बतौली बाजार से खरीददारी कर वापस घर लौट रहा था। इस दौरान वाहन चालक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस घटना में नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया गया है। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है।

- बतौली पेट्रोल पम्प के समीप हुई घटना

बताया जा रहा है कि बतौली अंतर्गत ग्राम चिरंगा ऊपरपारा निवासी 16 वर्षीय अजय श्रीवास आ. ठुनु राम श्रीवास 27 अगस्त को अपने साथी चन्दन पैकरा के साथ बाइक से बतौली बाजार आया हुआ था। दिनभर खरीददारी करने के बाद दोनों बाइक से देर शाम वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान जैसे ही वे एनएच 43 पर बतौली पेट्रोल पम्प के समीप पहुंचे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन का चालक दोनों बाइक सवारों को टक्कर मारकर फरार हो गया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल डायल 112 को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम द्वारा घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने अजय श्रीवास को मृत घोषित कर दिया जबकि चंदन पैंकरा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया। गुरुवार की देर शाम बतौली में राखी की खरीददारी को लेकर बाजार में काफी भीड़ भाड़ थी और ऐसे में इस घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। इधर इस घटना के बाद मृतक के परिजन सदमें में है। राखी के पहले बच्चे की मौत से परिजन में मातम पसरा हुआ है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया है और घटना की जांच चल रही है।

थाना प्रभारी विवेक सेंगर ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पालक बच्चों का हाथ पकड़ खुद करा रहे नदी पार

जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे स्कूली बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनपुर

विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम पटकुरा काशीडांड चिताघुटरी मार्ग पर स्थित नदी पर पुल का निर्माण नहीं होने के कारण स्कूली बच्चे और ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर है। बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को भारी परेशानी के बीच नदी पार करना पड़ रहा है। गांव के बच्चों को भी नदी पार कर स्कूल जाना पड़ता है।

पालक अपने बच्चों का हाथ पकड़कर बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने पर स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। सोशल मीडिया में ग्रामीणों का बच्चों के साथ नदी पार करने का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें ग्रामीण खतरे के बीच छोटे-छोटे बच्चों को हाथ पकड़कर नदी पार कराते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि काशीडांड से चिताघुटरी मार्ग पर सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था नहीं होने के कारण स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को वर्षों से परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार शासन-प्रशासन से नदी पर पुल बनाने की मांग की गई है परंतु कई वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नदी पर जल्द पुल या आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है ताकि बारिश के दिनों में बच्चे सुरक्षित स्कूल पहुंच सके। बरसात के मौसम में चिता घुटरी ग्राम पंचायत और ब्लॉक मुख्यालय से कट जाता है। बरसात में बच्चों को स्कूल आने जाने में समस्या होती है तथा किसी के गंभीर रूप से बीमार होने पर एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल पाती। राशन के लिए ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार कर अपने जरूरत के सामान लेने ग्राम पंचायत मुख्यालय पहुंचते हैं।



खबर संक्षेप

भाजपा मीडिया प्रभारी ने किया पौधरोपण



बैकुण्ठपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे देशव्यापी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपा जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े ने फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। श्री राजवाड़े ने कहा कि वे शुरू से ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहे हैं और प्रतिवर्ष फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर के गार्डन, खेत की मेड़, बाड़ी अथवा स्कूल परिसर में फलदार पौधे लगाए।

10 सितंबर से सत्याग्रह करेंगे भाजपा नेता

सोनहत। क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों की कथित मनमानी, शासकीय योजनाओं के उचित क्रियान्वयन में लापरवाही, आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ व्यवहार तथा विभिन्न मामलों में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा नेता मनोज साहू ने आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि 10 सितंबर से सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया जाएगा, इससे पहले प्रशासन का ध्यान क्षेत्र की समस्याओं की ओर आकर्षित करने के लिए सोनहत में चेतावनी यात्रा निकाली जाएगी। श्री साहू का कहना है कि आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था में कथित मनमानी, भ्रष्टाचार, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव के खिलाफ है। उनका दावा है कि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण जनता में असंतोष बढ़ रहा है। मनोज साहू के अनुसार 10 सितंबर से प्रस्तावित सत्याग्रह से पहले सोनहत क्षेत्र में चेतावनी यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के माध्यम से प्रशासन को क्षेत्र की समस्याओं और पूर्व में की गई शिकायतों से दोबारा अवगत कराया जाएगा। साथ ही समय रहते समस्याओं के निराकरण की मांग की जाएगी। श्री साहू ने कहा कि चेतावनी यात्रा का उद्देश्य प्रशासन को आंदोलन के प्रति सचेत करना और जनता की समस्याओं को मजबूती से सामने रखना है।



11 वारंटियों में फरार आदतन बाइक चोर गिरफ्तार

रायगढ़। तमनार और पूंजीपथरा पुलिस की संयुक्त टीम ने 11 स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे आदतन बाइक चोर भोले शंकर कैवर्त 34 को पूंजीपथरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी को गुरुवार को सभी 11 वारंटों के परिपालन में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी भोले शंकर कैवर्त पिता जीवन प्रकाश कैवर्त, निवासी ग्राम डभरा, जिला सक्ती वर्ष 2020 से चोरी की घटनाओं में सक्रिय रहा है। उसके खिलाफ रायगढ़ शहर के अलावा घरघोड़ा, पूंजीपथरा और तमनार थाना क्षेत्रों में बाइक चोरी के मामले दर्ज हैं। आरोपी पूर्व में तमनार के 5, घरघोड़ा के 3, रायगढ़ कोतवाली के 2 और पूंजीपथरा के 1 बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार होकर न्यायिक रिमांड पर जा चुका है। जमानत पर रिहा होने के बाद वह नियमित रूप से न्यायालय में पेश नहीं हुआ। इसके चलते अलग.अलग प्रकरणों में न्यायालय ने उसके खिलाफ कुल 11 स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत पुलिस द्वारा फरार आरोपियों और वारंटियों की लगातार पतासाजी की जा रही है।

सास के घर रखे सोने-चांदी के जेवर चोरी

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम चपले में एक परिवार ने सुरक्षा के लिए सास के घर करीब 95 हजार कीमत के सोने-चांदी के जेवर रखवाए थे, लेकिन यहां सभी आभूषणों के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित रविन्द्र पटैल, निवासी ग्राम पामगढ़ ने इसे मामले की शिकायत खरसिया थाने की है। पुलिस थाने में दी गई शिकायत के अनुसार रविन्द्र पटैल ने वर्ष 2019 में सुशीला पटैल से विवाह किया था। विवाह के दौरान सुशीला को उसके मायके ग्राम चपले से स्त्रीधन के रूप में सोने-चांदी के आभूषण दिए गए थे। इनमें सोने की एक जोड़ी, कान की बाली, मांग मोती, नाक की नथली, चांदी का कमरबंद, पायल और बिछिया शामिल थे, जिनकी कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा रविन्द्र ने अपनी पत्नी के लिए करीब 80 हजार रुपये कीमत का सोने का लॉकेट-माला, सोने की नाक की नथली और सोने का हार खरीदा था।

मंडलपारा सड़क पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढे, हादसे का मंडरा रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर





बरसात के मौसम में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। बारिश के कारण कई मार्गों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहन चालकों को आवागमन के दौरान परेशानी के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

शहर से लगे मंडलपारा जाने वाले प्रमुख मार्ग की स्थिति भी इन दिनों ऐसी ही बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार बैकुण्ठपुर शहर से मंडलपारा पहुंच मार्ग पर कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश होने के बाद इनमें पानी भर जाने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के कुछ हिस्सों में जर्जर स्थिति होने के कारण लोगों को संभलकर आवागमन करना पड़ रहा है। मंडलपारा पहुंच मार्ग शहर से जुड़ा महत्वपूर्ण मार्ग है। प्रतिदिन इस मार्ग से बड़ी संख्या में ग्रामीण शहर पहुंचते हैं। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने या गड्ढों से बचने के लिए वाहन दूसरी ओर मोड़ने की स्थिति बनती है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषकर रात के समय सड़क की स्थिति और अधिक परेशानी पैदा करती है।

कई गांवों के लोगों की इसी मार्ग से आवाजाही

मंडलपारा होकर सरईगहना, पर्चा बस्ती सहित आसपास के कई गांवों के लोगों का प्रतिदिन बैकुण्ठपुर शहर आना-जाना होता है। ग्रामीणों के लिए यह मार्ग आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है। इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीण सुनील साहू, अशोक राजवाड़े, सत्यप्रकाश राजवाड़े, कृष्णा राजवाड़े आदि का कहना है कि बरसात के दौरान सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है।

मरम्मत नहीं हुई तो बढ़ सकती है परेशानी

लोगों ने मंडलपारा पहुंच मार्ग पर बने गड्ढों को जल्द भरने के साथ जर्जर हिस्सों की आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है। समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं होने पर बारिश के दौरान इसकी स्थिति और खराब होने की आशंका है। लोगों का कहना है कि महत्वपूर्ण मार्ग होने के कारण इसकी नियमित मरम्मत और रखरखाव किया जाना जरूरी है, ताकि सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

तीन तलवार समेत सामान जब्त

टीएमसी स्टोर में 50 लाख की चोरी का खुलासा चार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर



पुलिस गिरफ्त में आरोपी और जब्त सामान।

जिले के पटना थाना क्षेत्र के पाण्डवपारा स्थित टीएमसी कंपनी की झिलमिली साइड के स्टोर में हुई करीब 50 लाख रूपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 40 लाख रूपए कीमत के तांबा, पीतल और कांसा धातु से निर्मित महंगे मशीन पार्ट्स बरामद किए हैं। आरोपियों के पास से तीन तलवार, टॉर्च, मोबाइल और 1500 रूपए नगद भी जब्त किए गए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

■ **चोरी के करीब 40 लाख के पार्ट्स बरामद**

पुलिस के अनुसार 21-22 अगस्त की दरम्यानी रात टीएमसी के स्टोर की छत की सीट उखाड़कर कोयला उत्खनन में उपयोग होने वाली मशीनों के महंगे पार्ट्स चोरी किए गए थे। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर श्यामल मैती की शिकायत पर 24 अगस्त को थाना पटना में अपराध क्रमांक 228/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस की जांच में सामने आया कि करीब 9-10 लोगों के समूह ने रात में स्टोर में प्रवेश कर मशीनों के तांबा, पीतल और कांसा निर्मित पार्ट्स चोरी किए। चोरी के बाद आरोपियों ने सामान को एक दिन तक बड़सरा जंगल में छिपाकर रखा। इसके बाद चरचा निवासी कबाड़ी अब्दुल वासिब उर्फ गोलू को सामान बेच दिया गया। कबाड़ी ने कुछ सामान अपने घर में रखा, जबकि कुछ अन्य कबाड़ी को बेच दिया। मुखबीर की सूचना और सघन पूछताछ के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर कबाड़ी गोलू के कब्जे से करीब 40 लाख रूपए के चोरी गए पार्ट्स बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में किशन कुमार पिता राजेन्द्र उम्र 24 वर्ष, मंगलराम उर्फ गोलू पिता स्व. जनकराम बसोर उम्र 24, करन पिता चंद्रप्रसाद बसोर उम्र 24 वर्ष और अब्दुल वासिब उर्फ गोलू मियां पिता अब्दुल कमाल उम्र 30 वर्ष शामिल हैं। सभी घुटरी दफाई थाना चरचा एवं ग्राम पूटा थाना पटना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने चोरी किए गए धातु के पार्ट्स को बेचकर आर्थिक लाभ कमाने की योजना बनाई थी। वारदात के दौरान सुरक्षा के लिए तलवार भी अपने पास रखी थी। पुलिस ने तीन तलवार सहित अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को 27 अगस्त को न्यायालय में पेश किया गया।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस के मुताबिक मामले में चोरी गए आधे से अधिक माल की बरामदगी हो चुकी है। शेष माल और फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पटना, चरचा और बैकुंठपुर थानों में पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड होने की बात भी पुलिस ने बताई है। पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के निर्देश तथा एसडीओपी आशा सेन और राजेश साहू के मार्गदर्शन में पटना थाना पुलिस एवं साइबर सेल की टीम ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी प्रमोद पाण्डेय सहित साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक अमोल खलखो, उप निरीक्षक राजाराम राठिया, एएसआई इन्द्रजीत सिंह समेत पुलिस टीम की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दिमागी नक्सली कहना बंद करें : एनएसयूआई



हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को दिमागी नक्सली कहे जाने के बयान के विरोध में एनएसयूआई प्रदेशध्यक्ष नीरज पांडे के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थाना कोतवाली मनेन्द्रगढ़ में सामूहिक गिरफ्तारी देने पहुंचे।

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेन्द्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा, जिला एनएसयूआई अध्यक्ष कासिम अंसारी, एनएसयूआई नेता दिव्यम पांडे सहित एनएसयूआई, युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, छात्र एवं काफी संख्या में युवा उपस्थित रहे। एनएसयूआई की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया कि यदि स्वास्थ्य मंत्री अपने बयान पर कायम हैं और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और युवाओं को दिमागी नक्सली मानते हैं तो एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जाए। यदि यह बयान गलत है और एनएसयूआई कार्यकर्ता और युवा नक्सली नहीं हैं, तो स्वास्थ्य मंत्री सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा इस प्रकार का बयान देने वाले मंत्री के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि प्रदेश के छात्र अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े सवाल उठा रहे हैं। एमबीबीएस प्रवेश को लेकर प्रदेश के छात्रों के हक से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए हैं तथा बाहर के छात्रों को कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रवेश दिए जाने की शिकायतें हैं। सरकार को इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने वाले छात्रों को दिमागी नक्सली कहना लोकतंत्र में किसी भी रूप से स्वीकार्य नहीं है।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर



भाई-बहनों के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को जिलेभर में उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस बार राखी बांधने का शुभ मुहूर्त लगभग पूरे दिन रहा। भद्रा का साया नहीं होने के कारण बहनों को पूरे दिन राखी बांधने का अवसर मिला। सुबह से ही घरों में रक्षाबंधन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। छोटे भाई-बहनों में पर्व को लेकर खासा उत्साह रहा।

शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की आरती उतारी, तिलक लगाया, रक्षासूत्र बांधा और मुंह मीठा कराकर पर्व मनाया। शहर से लेकर गांव-गांव तक रक्षाबंधन की खुशियां देखने को मिलीं। रक्षाबंधन को लेकर गुरुवार को शहर का बाजार गुलजार रहा। खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से चौक-चौराहों पर कई बार जाम की स्थिति बनती रही। रक्षाबंधन के दिन भी राखी की दुकानों पर सुबह से ही खरीदारों की भीड़ जुटी रही। दिनभर राखी और उपहार की दुकानों में लोगों की आवाजाही बनी रही। वहीं मिष्ठान दुकानों में भी पर्व को लेकर जमकर खरीदी हुई। राखी पर्व से पहले चीनी के दामों में हुई बढ़ोतरी का असर भी खरीदारी पर दिखाई नहीं दिया। लोगों ने भाई-बहनों के लिए राखी के साथ विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की जमकर खरीदी की।

बंदी भाइयों को बहनों ने बांधी राखी

रक्षाबंधन को लेकर जिला जेल में भी विशेष तैयारियां की गई थीं। पर्व के दिन सुबह से ही दूर-दराज के क्षेत्रों से बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने के लिए जिला जेल पहुंचने लगी थीं। निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और उनकी सलामती की दुआ मांगी। इस दौरान जिला जेल परिसर में भावुक दृश्य भी देखने को मिले। कई बहनों ने आंसुओं के बीच अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके सुखद भविष्य की कामना की।

बसों में रही भारी भीड़

रक्षाबंधन को लेकर एक-दो दिन पहले से ही यात्री वाहनों में आवाजाही बढ़ गई थी। पर्व के दिन जिले के विभिन्न रूटों पर चलने वाली बसों में सवारियां ठसाठस भरी रहीं। भीड़ अधिक होने के कारण कई यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। ग्रामीण क्षेत्रों के कई रूटों पर बसों में अत्यधिक भीड़ के चलते यात्री दरवाजे के पास खड़े होकर सफर करते नजर आए। इसके अलावा ऑटो और टैक्सियों में भी दिनभर यात्रियों की आवाजाही बनी रही।

उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व



मनेन्द्रगढ़। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में शुक्रवार को उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन को लेकर पिछले कई दिनों से बाजार में खरीदारी का दौर जारी था।

पर्व के दिन भी शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से ही चहल-पहल बनी रही। राखी, मिठाई, कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आई। रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों ने विशेष रूप से बच्चों और युवतियों का ध्यानाकर्षित किया। दुकानदारों ने भी ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न डिजाइनों और कीमतों की राखियां उपलब्ध कराई थीं। मिठाई की दुकानों पर भी दिनभर ग्राहकों की भीड़ रही। रक्षाबंधन के अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। पारंपरिक मिठाइयों के साथ-साथ आधुनिक पैकिंग में उपलब्ध मिठाई के डिब्बों की भी खूब बिक्री हुई। कई लोगों ने अपने रिश्तेदारों और दूर रहने वाले परिजन के लिए मिठाई एवं उपहारों की खरीदारी की। शहर में रहने वाली बहनों के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी काफी संख्या में महिलाएं और युवतियां अपने भाइयों को राखी बांधने मनेन्द्रगढ़ पहुंची। वहीं कई भाई अपनी बहनों के घर पहुंचकर इस पर्व को यादगार बनाया। जिन बहनों के भाई रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे शहरों में रहते हैं, उनके लिए रक्षाबंधन भावनाओं से जुड़ा अवसर रहा। कई परिवारों में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर आरती उतारी और मिठाई खिलाई। रक्षाबंधन को देखते हुए बाजारों में विशेष सजावट भी की गई थी। दुकानों के बाहर राखियों और उपहार सामग्री के आकर्षक स्टॉल लगाए गए थे, इससे बाजार का माहौल पूरी तरह त्योहारी नजर आया। दोपहर और शाम के समय मुख्य बाजार क्षेत्र में लोगों की आवाजाही और बढ़ गई। महिलाओं और बच्चों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। पर्व के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन और पुलिस की सक्रियता रही। मुख्य बाजारों में बढ़ी भीड़ के कारण जगह-जगह यातायात का दबाव दिखाई दिया, लेकिन लोगों ने पर्व की खुशियों के बीच खरीदारी और आपसी मेल-मिलाप का आनंद लिया। रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और पारिवारिक एकजुटता का संदेश दिया। मनेन्द्रगढ़ में दिनभर त्योहार की खुशियां नजर आईं और देर शाम तक बाजारों में रौनक बनी रही। घर-घर में राखी बांधने और मिठाई खिलाने का सिलसिला चलता रहा। पर्व ने शहर के वातावरण को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। यदि चाहें तो मैं इसे और ज्यादा स्थानीय रंग, बाजार की भीड़, राखी की दुकानों और बहनों की भावनाओं को जोड़कर अखबार की फ्रंट-पेज शैली में भी बना सकता हूं।

मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 2-3 बदहाल

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़



जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ स्थित रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 इन दिनों अव्यवस्था और बदहाली का शिकार नजर आ रहे हैं। प्लेटफॉर्म के कई हिस्सों में बड़ी-बड़ी घास उग आई है, जबकि कच्चे हिस्सों में गंदगी और कीचड़ का जमाव यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर साफ-सफाई और यात्री सुविधाओं की यह स्थिति रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है।

बारिश के मौसम में प्लेटफॉर्म की स्थिति और भी खराब हो जाती है। कच्चे हिस्सों में पानी जमा होने के साथ कीचड़ फैल जाता है, जिससे यात्रियों को आवाजाही में परेशानी होती है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों को कई बार इन असुविधाजनक हिस्सों से होकर गुजरना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, छोटे बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को होने की संभावना बनी रहती है। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन काफी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में प्लेटफॉर्म की नियमित साफ-सफाई और रख-रखाव बेहद जरूरी है। लंबे समय से उगी घास की कटाई नहीं होने के कारण प्लेटफॉर्म के कई हिस्से अस्वच्छ दिखाई दे रहे हैं। वहीं बारिश के कारण कीचड़ और गंदगी की समस्या यात्रियों के लिए अतिरिक्त परेशानी बन गई है। यात्रियों के बीच सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा को लेकर है। यदि प्लेटफॉर्म की बदहाली और कीचड़ के कारण कोई यात्री फिसलकर गिर जाता है अथवा किसी प्रकार की दुर्घटना का शिकार होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। यात्रियों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद व्यवस्था सुधारने के बजाए रेलवे प्रशासन को पहले से ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। प्लेटफॉर्म पर उगी घास की कटाई, कचरे की सफाई और कीचड़ वाले स्थानों पर आवश्यक सुधार कराया जाए। साथ ही बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण केन्द्र है।

भवन के अभाव में 50 बच्चों की पढ़ाई पर संकट, बारिश में टपक रहा अतिरिक्त कक्ष

बिहारपुर। ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाट स्थित माध्यमिक शाला में भवन के अभाव में 50 बच्चों की पढ़ाई अतिरिक्त कक्ष के भरोसे चल रही है। वर्ष 2022-23 में निर्मित अतिरिक्त कक्ष में बरसात का पानी टपकने के कारण बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी टपकने के कारण बच्चों को अलग-अलग स्थानों पर बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बैजनपाट माध्यमिक शाला के लिए अब तक भवन की व्यवस्था नहीं हो सकी है। बच्चों की संख्या के अनुरूप कमरे उपलब्ध नहीं होने के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में अतिरिक्त कक्ष ही बच्चों का मुख्य सहारा बना है। हल्की बारिश होते ही कमरे की छत से पानी टपकने लगता है। फर्श पर पानी जमा होने और कमरे में पर्याप्त जगह नहीं होने से बच्चों को बैठने में भी दिक्कत होती है। प्रधान पाठक सुंदरमन सिंह ने बताया कि स्कूल में करीब 50 बच्चे दर्ज हैं। वर्तमान में अतिरिक्त कक्ष में ही बच्चों की पढ़ाई कराई जा रही है। बारिश के दौरान कमरे के एक तरफ पानी टपकता है।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

बैकुण्ठपुर। रक्षाबंधन पर्व पर स्थानीय प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के गढ़ेलपारा स्थित सेवा केंद्र में संस्थान से जुड़े भाई-बहन सेवा केंद्र पहुंचे और राजयोग का अभ्यास किया। इसके बाद बाबा की वाणी का संदेश वाचन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सेवा केंद्र प्रमुख ब्रह्माकुमारी रेखा बहन एवं अन्य बहनों ने उपस्थित भाई-बहनों को रक्षासूत्र बांधा और सद्कर्मों का संकल्प दिलाया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षाबंधन पर्व के आध्यात्मिक रहस्य और महत्व पर प्रकाश डाला। ब्रह्माकुमारी बहनों ने विभिन्न अधिकारियों को भी रक्षासूत्र बांधकर आध्यात्मिक संदेश दिया। स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी रेखा बहन के नेतृत्व में बहनों ने पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर को राखी बांधी और आध्यात्मिक विषयों से अवगत कराया।

खबर संक्षेप



पार्वतीपुर में सावन उत्सव का आयोजन, माताओं-बहनों के बीच उत्साह के साथ केबिनेट मंत्री हुई शामिल

बिश्रामपुर। ग्राम पार्वतीपुर स्थित हनुमान मंदिर परिसर के समीप में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सावन उत्सव का आयोजन किया गया। सावन की हरियाली, उमंग और उत्साह के बीच आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने सहभागिता की,कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए नृत्य, गीत-संगीत एवं विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सावन के पारंपरिक रंगों और महिलाओं में खासी उत्साह देखने को मिली।लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम में उपस्थित माताओं-बहनों के साथ समय बिताया और उनकी प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सावन उत्सव केवल मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आपसी स्नेह को मजबूत करने का माध्यम भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को सामने रखने का अवसर मिलता है।कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं का उत्साह बढ़ाते हुए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि क्षेत्र की माताओं-बहनों के साथ इस तरह के आत्मीय आयोजन आगे भी निरंतर होते रहें, यही उनका प्रयास रहेगा। उन्होंने सभी बहनों को सावन उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

गीता के क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ ज्ञान से जीवन का वास्तविक स्वरूप को समझने का संदेश



अम्बिकापुर। महामना मालवीय मिशन द्वारा आध्यात्मिक संगोष्ठी एवं गीता पाठ का आयोजन पूर्व विधायक देवेश्वर सिंह के निवास पर किया गया। इस अवसर पर श्रीमद्भगवद्गीता के 13वें अध्याय का पाठ किया गया। संरक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने कहा कि क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विभाग योग मानव जीवन के दार्शनिक आधार को स्पष्ट करता है। शरीर को 'क्षेत्र' कहा गया है और जो इस शरीर को जानता है, वह 'क्षेत्रज्ञ' है। पूर्व विधायक देवेश्वर सिंह ने कहा कि मानव शरीर परिवर्तनशील और नश्वर है तथा प्रकृति के नियमों के अधीन है। इसके विपरीत क्षेत्रज्ञ वह चेतना है जो शरीर में रहते हुए उसके अनुभवों को जानती और उनका साक्षी बनती है। यही आत्मा के स्वरूप की ओर संकेत करता है। राम नारायण शर्मा ने कहा कि समस्त शरीरों में विद्यमान परम चेतना ही परमात्मा है। व्यक्तिगत आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझना आध्यात्मिक ज्ञान का मूल है। दुर्गा प्रसाद तिवारी ने कहा कि गीता में ज्ञान को केवल बौद्धिक जानकारी नहीं माना गया है। विनम्रता, अहिंसा, क्षमा, सरलता, गुरु-सेवा, पवित्रता, आत्मसंयम और वैराग्य जैसे गुण ज्ञान के लक्षण हैं। रणविजय सिंह तोमर ने कहा कि जब व्यक्ति यह समझने लगता है कि उसका वास्तविक स्वरूप केवल शरीर नहीं, बल्कि शरीर का साक्षी आत्मतत्व है, तब उसके जीवन का दृष्टिकोण बदलने लगता है। श्याम बिहारी पांडेय ने कहा कि क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विभाग योग प्रकृति और परमात्मा के संबंध को समझने की प्रेरणा देता है। प्रकृति परिवर्तनशील है।

एक रक्षा सूत्र गौ माता के नाम

अम्बिकापुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर गौ सेवा मंडल सरगुजा द्वारा "एक राखी बहन के नाम, एक रक्षा सूत्र गौ माता के नाम" अभियान के अंतर्गत गौ माताओं को रक्षा सूत्र बाँधकर उनकी सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अभियान का उद्देश्य रक्षाबंधन के पर्व को भाई-बहन के प्रेम एवं रक्षा के साथ-साथ गौवंश के प्रति करुणा, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना से जोड़ना है। इस अवसर पर गौ माताओं को हरा चारा खिलाकर उनके प्रति सम्मान, करुणा एवं सेवा भाव का संदेश दिया गया। गौ सेवा मंडल सरगुजा द्वारा संकल्प लिया गया कि बहनों की रक्षा के साथ-साथ गौ माता एवं नंदी बाबा की रक्षा भी की जाएगी। असहाय, घायल एवं जरूरतमंद गौवंश की सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहते हुए उनकी हरसंभव सहायता की जाएगी।

मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 2-3 बदहाल

मनेन्द्रगढ़। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ स्थित रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 इन दिनों अव्यवस्था और बदहाली का शिकार नजर आ रहे हैं। प्लेटफॉर्म के कई हिस्सों में बड़ी-बड़ी घास उग आई है, जबकि कच्चे हिस्सों में गंदगी और कीचड़ का जमाव यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर साफ-सफाई और यात्री सुविधाओं की यह स्थिति रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। बारिश के मौसम में प्लेटफॉर्म की स्थिति और भी खराब हो जाती है। कच्चे हिस्सों में पानी जमा होने के साथ कीचड़ फैल जाता है, जिससे यात्रियों को आवाजाही में परेशानी होती है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों को कई बार इन असुविधाजनक हिस्सों से होकर गुजरना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, छोटे बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को होने की संभावना बनी रहती है। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन काफी संख्या में लोग आवागमन करते हैं।

पेयजल की समस्या से जूझ रहे प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के बच्चे

स्कूल के हैंडपंप का कर रहे नल जल योजना के लिए उपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

प्रदेश सरकार शिक्षा के उत्थान तथा गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए न सिर्फ गंभीर है बल्कि कई योजनाएं संचालित कर हर वर्ष लाखों रूपए केवल शिक्षा पर ही खर्च कर रही है।

खास बात

- पीएचई विभाग द्वारा हैंड पंप में लगा दिया समरर्सिबल पंप

स्कूल में बच्चों को पढ़ाई में दिक्कत न हो इसके लिए भवन से लेकर स्कूल परिसर में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई है। जिसमें ग्राम पंचायत पुटसरा स्थित प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल भी शामिल है। हैरानी की बात तो यह है कि स्कूल परिजन से बच्चों की पेयजल सुविधा के लिए दो हैंडपंप की व्यवस्था की गई लेकिन अब एक हैंडपंप पर पीएचई विभाग ने न सिर्फ कब्जा जमा लिया बल्कि नलजल योजना के लिए हैंडपंप में समरर्सिबल पंप डाल कर उपयोग किया जा रहा है। इधर दूसरे हैंड पंप के खराब हो जाने से स्कूल के बच्चों के समक्ष पेयजल की समस्या खड़ी हो गई। आलम यह है कि पेयजल बच्चों सहित मध्यान्ह भोजन के लिए घर से पानी लेकर आने को मजबूर है।

विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत पुटसुरा के आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल में पीने की पानी की उचित व्यवस्था नहीं है जिसके कारण शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं पेयजल के लिए परेशान है। मध्यान भोजन उपरांत एवं अन्य कार्यों के लिए पानी के लिए आसपास के निजी लोगों के बोर एवं नल में स्कूल से दूर जाते हैं जिससे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हर समसे किसी दूसरे के घर के नल से पानी लाने पर घर मालिक भी दो बात सुना देत है। इतना ही नहीं बारिश के दिनों में स्कूल से दूर पानी के लिए जाने पर उनका जान कभी खतरा बना रहता है लेकिन उनका सुनने वाला कोई नहीं है। स्कूल में शिक्षक सहित बच्चों को पेयजल की समस्या न हो इसे ध्यान में रखकर दो



हैण्डपंप में लगाया गया सबरमर्सिबल।

हैंडपंप मरम्मत कराने की मांग

स्कूल परिसर में पेयजल के लिए दो हैंडपंप लकाई गई है। एक हैंडपंप लंबे समय से खराब है जबकि जो हैंडपंप चालू है उसे पीएचई विभाग द्वारा हैंडपंप में समरर्सिबल पंप डालकर नल जल योजना के लिए उपयोग किया जा रहा है। हालांकि स्कूल के लिए हैंडपंप में नल की सुविधा दी गई है लेकिन सौर ऊर्जा से संचालित पंप बरसात के मौसम में ज्यादा काम नहीं करता। ऐसे में स्कूल प्रबंधन ने परिसर में खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की है जिससे बच्चों को स्कूल परिसर में ही पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सके।

हैंडपंप की व्यवस्था की गई थी। जिसमें एक खराब हो गया और दूसरे हैंडपंप को नल जल मिशन के लिए उपयोग करने के लिए पीएचई विभाग द्वारा सबमर्सिबल डाल करके नल जल योजना में उसे उपयोग किया जाने लगा। नल जल योजना के लिए सोलर प्लेट लगाई गई है जो पानी सप्लाई हेतु लगा है जो बिजली से नहीं चलता है। ऐसे में बारिश के दिनों में बच्चों को पानी के लिए स्कूल से दूर जाना पड़ता है। जबकि पहले जब हैंड पंप था तो ठंड बरसात और गर्मी के दिनों में बच्चे इस हैंड पंप के पानी उपयोग करते थे। खराब भी होता था तो पंचायत या विभाग किया स्वयं के खर्चे से उसे बना लिया जाता था और सुविधा बरकरार रहता था। लेकिन स्कूल के हैंड पंप का दूसरे विभाग द्वारा दूसरे योजना के लिए वह भी पूरे पंचायत के उपयोग में ले लिया गया जिसके वजह से स्कूल के बच्चे को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नहीं लिया गया है अनुमति

विद्यालय के हैंड पंप का उपयोग विद्यालय के किसी भी शिक्षक के बगैर अनुमति के नल जल योजना के लिए उपयोग किया जा रहा है जिसके वजह से बारिश के दिनों में बच्चों को परेशानी होती है। विभाग को चाहिए कि एक नया हैंडपंप हाथ वाला स्कूल के लिए प्रदान करें अथवा स्कूल के हैंड पंप को पहले की बाती यथावत कर दे।

-फिरोज खान, प्रधान पाठक

बिना अनुमति किया गया है अधिग्रहण

पंचायत के बगैर अनुमति के स्कूल के हेड पंप का अधिक ग्रहण विभाग द्वारा किया गया है। हैंड पंप के अधिग्रहण से छात्र छात्रोंओ को परेशानी हो रही है इसकी शिकायत मिली है।

-छोटे लाल सिंह, सचिव ग्राम पंचायत



हर घर पेयजल अंतर्गत 40 योजनाओं में शुरू हुआ पेयजल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

हर घर तक नल से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में जल जीवन मिशन की योजनाओं को तेजी से पूर्ण कर पेयजल प्रदाय शुरू किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों को गति दी जा रही है। परिणाम स्वरूप विगत एक माह में लगभग 40 ग्रामों में पेयजल प्रदाय प्रारंभ किया जा चुका है। जिनमें खजूरियाडीह, चांदो, लोढ़ा, हर्री, बादा, महेवा एवं पहाड़खड़ुवा सहित विभिन्न ग्राम शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा उपलब्ध हुई है। जल जीवन मिशन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की सुविधा मिलने से ग्रामीण परिवारों को दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भरता से राहत मिल रही है। विशेषकर महिलाओं और बच्चों को पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम की बचत हो रही है।



- जल जीवन मिशन से स्वच्छ एवं सुगम पेयजल की मिली सुविधा

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं निरंतर निगरानी में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए योजनाओं के कार्यों में तेजी लाई गई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में लगभग 40 योजनाओं में पेयजल प्रदाय प्रारंभ होने के साथ ही इससे कई गुना अधिक योजनाओं में कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। ये योजनाएं वर्तमान में विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। निर्माणाधीन योजनाओं के कार्यों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने पर जोर दिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति की सतत निगरानी करने तथा पूर्ण योजनाओं में पेयजल प्रदाय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।जल जीवन मिशन के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

जमीरा डूमर पाठ के ग्रामीणों ने सीएमडीसी बॉक्साइट उत्खनन को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुसमी

एसडीएम अनमोल विवेक टोप्पो के समक्ष अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर ग्राम पंचायत जमीरा डूमर पाठ के बॉक्साइट उत्खनन क्षेत्र में प्रभावित भू स्वामी, हितग्राहियों सहित बड़ी संख्या में सीएमडीसी बॉक्साइट उत्खनन मजदूर संघ के बैनर तले ज्ञापन सौंपा।

सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि पहले जिन हितग्राहियों का जमीन खदान क्षेत्र में पड़ रहा है और जिनके भूमि में बॉक्साइट उत्खनन का कार्य किया जा रहा है उन परिवारों को प्राथमिकता एवं योग्यता के आधार पर नौकरी दी जाए। साथ ही बहुत से ऐसे हितग्राही भू स्वामी है जिनका आपसी जमीन का बटवारा राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार आज तक नहीं हो पाया है, सम्मिलित खाता है एवं काफी मात्रा में इस खदान क्षेत्र में उनकी जमीन है उन सभी हितग्राहियों को इस बॉक्साइट उत्खनन कार्य में नियमानुसार नौकरी दी जाए, इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर योग्यता के आधार पर आस पास के पढ़े लिखे युवाओं को रोजगार दी जाए , जिससे इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हो सके। ग्रामीणों का



कहना है कि इस खदान को खुलने से सभी काफी खुश है, नियमानुसार इसमें योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर प्रदान किया जाए ,जिससे सभी को रोजगार प्राप्त हो सके। एसडीएम अनमोल विवेक टोप्पो ने ग्राम पंचायत जमीरा डूमर पाठ के ग्रामीणों को भरोसा दिलाया की सबसे पहले जिसकी भूमि इस खदान हेतु अधिग्रहण की जा रही है या भूमि अधिग्रहण की जा चुकी है, उन भू स्वामी को सीएमडीसी की ओर से योग्यतानुसार प्रथम प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दिया जाएगा, साथ ही जितने भी हितग्राहियों से इस बॉक्साइट उत्खनन क्षेत्र में भूमि दी जाएगी उनको सबसे पहले रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे, इसके बाद आवश्यकतानुसार आस पास के क्षेत्र के पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं को उनके योग्यता के अनुसार रोजगार मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जितने भी हितग्राही है जो अभी तक मुआवजा राशि नहीं लिए है वे कार्यालय में पहुंचकर अपने जमीन का एग्रीमेंट या रजिस्ट्री करते हुए मुआवजा राशि प्रदान कर इस बॉक्साइट उत्खनन कार्य को सुगमता पूर्वक संचालित होने में अपनी भूमिका निभाए। इस दौरान सीएमडीसी बॉक्साइट मजदूर संघ के अध्यक्ष जगेश्वर नगेशिया, उप सरपंच प्रमोद गुप्ता, खसरू बुनकर, सुदर्शन, नंदलाल, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

51 दिनों तक एसएनसीयू में उपचार के बाद नवजात को मिली छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिला चिकित्सालय के गहन नवजात देखभाल इकाई के चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने गंभीर स्थिति में भर्ती एक अति कम वजन के नवजात शिशु की जान बचाने में सफलता हासिल की है। जन्म के समय नवजात का वजन मात्र 0.890 किलोग्राम था और उसकी सांसें उखड़ रही थीं। चिकित्सकीय दल की त्वरित कार्रवाई और लगातार 51 दिनों तक गहन उपचार एवं देखभाल के बाद नवजात का वजन बढ़कर 1.550 किलोग्राम हो गया, जिसके बाद स्वस्थ स्थिति में उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

- 0.890 से बढ़कर वजन हुआ 1.550 किलोग्राम

जानकारी के अनुसार, ग्राम विजयनगर निवासी सबाना खातून एवं फैजान रजा के नवजात शिशु को अत्यंत गंभीर स्थिति में जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था। नवजात का वजन बेहद कम होने के साथ ही



सांस लेने में भी गंभीर परेशानी थी। शिशु रोग विशेषज्ञों ने तत्काल उपचार शुरू करते हुए उसे गहन निगरानी में रखा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बलरामपुर के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बलरामपुर की निगरानी में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक सिंह सेंगर, डॉ. शरद कुमार गुप्ता, डॉ. आशीष जायसवाल, डॉ इंदु अवस्थी सहित चिकित्सा दल ने नवजात का उपचार किया। एसएनसीयू की हेड नर्स सिलिना मिंज एवं अन्य नर्सिंग स्टाफ ने भी नवजात की लगातार देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगातार 51 दिनों तक चले विशेष उपचार, पोषण प्रबंधन और चिकित्सकीय निगरानी के बाद नवजात की स्थिति में सुधार हुआ। वजन 0.890 किलोग्राम से बढ़कर 1.550 किलोग्राम पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे स्वस्थ एवं स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी।

जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू में मिली इस सफलता ने एक बार फिर गंभीर एवं अति कम वजन वाले नवजातों के उपचार में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका को सामने रखा है।

सड़कें बनीं मवेशियों का अघोषित अड्डा, बढ़ रहा हादसों का गंभीर खतरा

रामानुजनगर। क्षेत्र में प्रशासनिक आदेश बेअसर हो गया है और सड़कों पर मौत का साया मंडरा रहा है। आलम यह है कि मुख्य मार्गों से लेकर प्रेमनगर रोड, बाजार रोड, बैकुंठपुर पर शाम होते ही मवेशियों का जमावड़ा लग रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी, सड़कों पर आवारा पशुओं के जमावड़े को रोकने और मुआवजा नीति बनाने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय और जिला कलेक्टर के सख्त निर्देश कागजों तक सिमटकर रह गए हैं। बरसात के इस मौसम में और शाम ढलते ही सड़कों पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। पिछले वर्ष थाना परिसर व रेस्ट हॉउस के समीप एक युवा की मवेशी से टकरा कर मौत हो गई थीं, वहीं कई बाईक चालक गंभीर औऱ घायल हो चुके है। ऐसे में लोगों की मांग है कि



लापरवाह पशु मालिकों पर सिर्फ जुर्माना नहीं, बल्कि एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए, ताकि सड़कों पर पशुओं को छोड़ने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। वहीं उन्होंने मांग की है कि प्रशासन द्वारा तत्काल विशेष अभियान चलाकर इन आवारा मवेशियों को पकड़ा जाए और उन्हें कांजी हाउस या गौठानों में भेजा जाए। रात्रिकालीन हादसों को रोकने के लिए पशुपालन विभाग के माध्यम से मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जाएं और जो मवेशी मालिक दूध निकालने के बाद अपनी गायों और मवेशियों को सड़कों पर खुला छोड़ने वाले पशुपालकों को चिन्हित कर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाए।

TOP IN SURGUJA

हमारी सेवाएं
- गर्भावस्था की सम्पूर्ण देखभाल
- सुरक्षित प्रसव सुविधा
- बांझपन परामर्श एवं उपचार
- पीसीओडी/पीसीओएस उपचार
- महिला रोगों की जांच व इलाज
- सोनोग्राफी एवं आधुनिक सुविधाएं
- डिलीवरी (नार्मल एवं सिजेरियन)

गायत्री हॉस्पिटल
MULTISPECIALITY HOSPITAL CREATING HEALTHY TOMORROW
CGHS से मान्यता प्राप्त
बनारस रोड, पी.जी. कॉलेज मैदान के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
9424250281 | 8120906000 | 8120809000
समय :- सुबह 11:00 बजे से शाम 05 बजे तक
अब महिलाओं की हर समस्या का सम्पूर्ण समाधान !
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध
DR. SONAL DUBEY
MBBS, MS
(OBSTETRICS & GYNAECOLOGY LAPAROSCOPIC SURGEON

सरगुजा मार्केट

गुप्त रोग का 100% शर्तिया ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन, सिपलिस गनौरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया ईलाज किया जाता है ।
लिंग वर्धक यंत्र भी उपलब्ध
बिना आपरेशन के अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गारंटी के साथ आयुर्वेदिक दवा द्वारा ईलाज 25 साल से स्थायी
संपर्क - विश्वास औषधालय
बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास अम्बिकापुर- मोबा. 7898942870
समय- सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

डॉ. शिवानी सिंघल
MBBS, MD Pediatrics
देश के श्रेष्ठतम संस्थान PGIMER चंडीगढ़ से प्रशिक्षित नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
✓ बुखार, खांसी एवं संक्रमण ✓ टीकाकरण एवं ग्रोथ मॉनिटरिंग
✓ नवजात एवं बाल स्वास्थ्य पर विशेष परामर्श ✓ बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल
OPD समय: सुबह 10:00 बजे – 2:00 बजे शाम 5:00 बजे – 7:00 बजे
24×7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध "स्वस्थ बचपन, उज्ज्वल भविष्य
प्रकाश हॉस्पिटल
जिला अस्पताल रोड, रानी तालाब के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
मो. 9713667433, 9617247433

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

अमरेश कुमार यादव का मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में चयन

ओड़गी। क्षेत्र के लिए हर्ष और गौरव की बात है कि ग्राम इंदरपुर के होनहार छात्र अमरेश कुमार यादव का नीट यूजी के माध्यम से एमबीबीएस पाठ्यक्रम



में चयन हुआ है। उनके पिता कुंजलाल यादव वर्तमान में शिक्षक व माता सरस्वती यादव गृहिणी है। अमरेश को भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में प्रवेश मिला है। अमरेश ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयासों के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नीट यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की कठिन प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर एमबीबीएस में चयन होने की खबर मिलते ही परिवार व समाज में खुशी का माहौल है। अमरेश की इस सफलता ने न केवल उनके माता-पिता और परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि ओड़गी क्षेत्र व समाज का भी गौरव बढ़ाया है। बचपन से ही पढ़ाई के प्रति मेहनती और अपने लक्ष्य को लेकर समर्पित अमरेश ने अपनी मेहनत के बल पर चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा है। पिता कुंजलाल यादव एवं माता सरस्वती यादव ने अपनी बेटे की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है। अमरेश कुमार यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन, सहयोग और आशीर्वाद को दिया। उनका लक्ष्य भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

सैनिक स्कूल में हुई हिंदी अभिभाषण प्रतियोगिता



अम्बिकापुर। हिंदी पखवाड़ा अंतर्गत सैनिक स्कूल में हिंदी अभिभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता का उद्देश्य कैडेट्स में हिंदी भाषा के प्रति रूचि, आत्मविश्वास, वाक-कौशल एवं प्रभावी अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना था।
प्रतियोगिता में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कैडेट्स ने भाषा की शुद्धता, विचारों की स्पष्टता, प्रस्तुतीकरण एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में अरिहंत हाउस तथा वरिष्ठ वर्ग में कटारी हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में विद्यालय से बाहर के आमंत्रित अतिथियों ने निर्णायक की भूमिका निभाई और कैडेट्स के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य कर्नल राजेश बैंदा ने विजेता हाउसों एवं प्रतिभागी कैडेट्स के बधाई दी। उन्होंने अरिहंत हाउस के हाउस मास्टर सौरभ कुमार जैन एवं मनोज कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं कैडेट्स की तैयारी की सराहना की।

एक राखी सैनिक भाइयों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

बिश्रामपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर कार्मेल कॉन्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल बिश्रामपुर की ओर से 'एक राखी सैनिक भाइयों के नाम' कार्यक्रम



आयोजित किया गया,विद्यालय के स्काउट एवं गाइड ने त्रिपुरा राइफल्स बिश्रामपुर कैंप पहुंचकर जवानों की कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनके प्रति सम्मान व कृतज्ञता व्यक्त की।
विद्यार्थियों ने जवानों के माथे पर तिलक लगाकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। भारत स्काउट-गाइड के जिला आयुक्त रितेश गुप्ता ने कहा कि सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहकर कर्तव्य निभाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उनके साथ भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता साझा करना गौरव का विषय है,कार्यक्रम प्राचार्या सिस्टर कैरल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान स्काउटर आनंद चौधरी, संजय, गाइडर रश्मि चौधरी सहित जिला सचिव गोवर्धन, गाइड सचिव अनामिका भगत तथा स्काउट-गाइड के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। जवानों ने बच्चों के इस आत्मीय प्रयास की सराहना की।

भवन के अभाव में विवि ने ननि से की थी भवन की मांग

सामुदायिक भवन में संचालित होंगी यूटीडी के नवीन 15 विषयों की कक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

एसजीजीयू शिक्षण विभाग अंतर्गत स्वीकृत नए विषयों की कक्षाएं ननि कार्यालय के निकट सामुदायिक भवन में संचालित की जाएगी। शिक्षण विभागों में अभी प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। नए सत्र की कक्षाएं आगामी महीने से संचालित की जाएंगी।

खास बात
- डेढ़ लाख से अधिक निर्धारित है मासिक किराया

वर्षों से अधूरे पड़े भवनों के कारण अब संत गहिरा गुरू विवि को शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किराए का भवन खोजना पड़ रहा है। प्रारंभ से ही परीक्षा आयोजित कराने एवं परिणाम घोषित करने तक सिमटे संत गहिरा गुरू विवि के अधिकारियों ने अब शोध एवं शैक्षिक गतिविधियां बढ़ाने की योजना बनाई थी। विवि प्रबंधन पिछले तीन सालों से शैक्षणिक विभागों का विस्तार करने के उद्देश्य से शासन से नवीन विषयों की पढ़ाई प्रारंभ करने की अनुमति मांग रहा था। शासन द्वारा नवीन विषयों के संचालन की अनुमति नहीं मिलने से अधिकारी निराश थे। साथ ही शासन स्तर पर लगातार पहल भी कर रहे थे। एसजीजीयू द्वारा प्रस्तावित विषयों की स्वीकृति मिलने के बाद अधिकारियों ने तकनीकी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई आगामी सत्र से करने एवं गैर तकनीकी एवं पारंपरिक 15 पाठ्यक्रमों को चालू सत्र से प्रारंभ करने की योजना बनाई है। प्रारंभ में विवि के अधिकारी विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय संस्थानों की मदद से कुछ नए भवनों के निर्माण को लेकर काफी आशान्वित थे लेकिन फिलहाल इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहल नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में नवीन विषयों की कक्षाएं संचालित करने के लिए विवि के पास भवन की कोई व्यवस्था नहीं है। अधिकारियों ने खाली शासकीय भवन की भी तलाश की लेकिन कोई भवन उपलब्ध नहीं हो सका। नगर निगम कार्यालय के पास नवनिर्मित सामुदायिक भवन के खाली होने की जानकारी मिलने पर विवि प्रबंधन ने इसे लीज अथवा मासिक किराए पर हासिल करने की पहल की ताकि नवीन 15 विषयों की कक्षाएं नियमित संचालित हो सके। ननि की सभा में प्रतीक्षा बस स्टैण्ड मार्ग में गौरव पथ के किनारे नवनिर्मित सामुदायिक भवन एसजीजीयू को प्रदान करने की स्वीकृति दे दी है। अभी भवन का किराया तय नहीं हुआ है लेकिन सभा ने पूर्व में निर्धारित दर से किराया लेने की शर्त पर भवन देने की स्वीकृति प्रदान की है। भवन का मासिक किराया डेढ़ लाख रूपए से अधिक होने की जानकारी मिलने के बाद अधिकारी परेशान है तथा ननि को पत्र लिखकर किराया कम करने का अनुरोध किया है।



नगर निगम का सामुदायिक भवन।

किराया पर हर महीने 1.65 लाख का खर्च

होटलों में वैवाहिक समारोह आयोजित करने पर लोगों को भारी-भरकम राशि खर्च करनी पड़ती है। कम आय वर्ग के लोगों को होटलों के किराए से राहत देने के उद्देश्य से ननि द्वारा शहर के प्रायः हर वार्ड में सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है। सुविधाओं एवं उपयोगिता के हिसाब से ननि द्वारा प्रतिदिन के हिसाब से इन भवनों का किराया निर्धारित किया है जो लगभग 5500 रूपए दैनिक है। ऐसे में विवि को हर महीने ननि को लगभग 1.65 लाख रूपए किराया का भुगतान करना पड़ेगा। किराए के भारी-भरकम राशि का भुगतान शासन द्वारा किया जाएगा अथवा विवि प्रबंधन स्वयं के संसाधनों से करेगा, अभी इसका निर्धारण नहीं हो सका है। अधिकारियों का कहना है कि भवन का उपयोग कक्षाएं संचालित करने के लिए की जाएगी ऐसे में इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था में काफी कठिनाइयां होंगी।

भवन पर भी होगा खर्च

सामुदायिक भवन के कमरों को कक्षाओं का स्वरूप देने के लिए विवि को भारी भरकम राशि खर्च करनी पड़ेगी। इस भवन में सभी 15 विषयों का संचालन संभव नही है। कमरों के बीच पार्टीशियन करने के बाद भी सभी विषयों की कक्षाओं के लिए जगह उपलब्ध नहीं होगी। यूटीडी के तीन विभागों का स्थानांतरण विवि के भकुरा परिसर स्थित यूटिलिटी बिल्डिंग में किया जा रहा है। इन विभागों के खाली कमरों में भी कुछ विषयों की कक्षाएं संचालित की जा सकती है निकट भविष्य में विवि के अधूरे भवनों के पूरा होने की संभावना नहीं है लिहाजा भविष्य में भी भवन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

31 तक प्रवेश

शासन द्वारा प्रवेश की तिथि 31 अगस्त तक निर्धारित की गई है। नवीन विषयों में स्नातकोत्तर की 20 सीटें स्वीकृत है। बॉटनी, ज्यूलॉजी की सीटें फुल हो गई हैं अन्य विषयों की रिक्त सीटों पर प्रवेश चल रहा है। खास बात है कि सरगुजा जैसे आदिवासी अंचल के युवाओं को रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से प्रारंभ किए गए विवि के महत्वाकांक्षी सरल टेक्नोलॉजी संकाय में अभी तक किसी ने प्रवेश नहीं लिया है। विवि द्वारा नए विषयों के अध्यापन के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति अंतिम चरण में है।

लिखे है पत्र

ननि द्वारा अभी सामुदायिक भवन का किराया निर्धारित नहीं किया गया है। पूर्व में निर्धारित किराया अधिक होने के कारण ननि को पत्र लिखकर किराया कम करने का अनुरोध किया गया है।

-प्रो.राजेन्द्र लाकपाले
कुलपति, एसजीजीयू



जहां सालभर अभ्यास करते हैं खिलाड़ी, वहीं बांधा रक्षा सूत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सरगुजा के बास्केटबॉल खिलाड़ियों ने अनोखे अंदाज में पर्व मनाया। कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत खिलाड़ियों ने उस बास्केटबॉल पोल को रक्षा सूत्र बांधा, जहां वे वर्षभर अभ्यास करते हैं। खिलाड़ियों ने कहा कि यह मैदान और बास्केटबॉल पोल उनके लिए केवल अभ्यास का स्थान नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, संघर्ष और सफलता का साथी है।

- बास्केटबॉल पोल और पेड़-पौधों को राखी बांधकर दिया एकता, सुरक्षा और प्रकृति संरक्षण का संदेश

इसी भाव के साथ उन्होंने पोल को राखी बांधकर खेल के प्रति समर्पण, एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राउंड परिसर में लगे पेड़-पौधों को भी राखी बांधी गई और उनकी रक्षा व संरक्षण का संकल्प लिया गया। खिलाड़ियों ने कहा कि खेल के साथ प्रकृति से जुड़ाव भी जरूरी है और पेड़-पौधे हमारे जीवन में सुरक्षा एवं जीवनदायिनी भूमिका निभाते हैं। जिला बास्केटबॉल संघ के संचालक एवं राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के साथ भारतीय परंपराओं, संस्कारों और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान केवल प्रतियोगिता का स्थान नहीं, बल्कि भावनाओं, अनुशासन, एकता और संस्कारों का केंद्र भी है। इस अवसर पर सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ परिवार, बालिका खिलाड़ी, स्थानीय खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

किसानों की आय बढ़ाने उद्यानिकी फसलों के विस्तार एवं विविधीकृत खेती को बढ़ावा दें

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं उनके मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी ली। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

- कलेक्टर ने कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों एवं हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एग्रीस्टैक एवं बकेट क्लेम के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने तथा मैदानी अमले के माध्यम से कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालकों तक विभागीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने तथा पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास करने को कहा। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले में फल, फूल एवं सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को विविधीकृत कृषि के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों एवं किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा। मत्स्य विभाग की योजनाओं एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, उपलब्ध जल संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा पात्र हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

मृतक की पहचान के लिए पुलिस सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों का लगातार सहारा ले रही है

अम्बिकापुर। दस दिनों पूर्व दूरस्थ मोहरसोप के भेलाघाट जंगल में मुख्यमार्ग से 50 मीटर दूर संदेहास्पद परिस्थितियों में मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है न ही पुलिस को आरोपियों के संबंध में ही कोई सुराग मिल पाया है। मृतक के शव में सड़न होने के कारण पुलिस ने उसे दफना दिया है। दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम मोहरसोप स्थित भेलाघाट जंगल में पुलिस ने संदेहास्पद परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद किया था। शव को उथला गड्ढा खोदकर दफनाया गया था। शव के ऊपर भारी मात्रा में नमक का छिड़काव किया गया था। शव के गले में ऊनी मफलर लिपटा था तथा पास में नमक की बोरियां, नमक के खाली पैकेट, बेल्ट, 10-12 साल के बच्चे की शर्ट सहित अन्य सामग्रियां मिली थी। पुलिस युवक की हत्या करने के बाद शव को जंगल में दफनाने की संभावना व्यक्त कर रही थी। मृतक की पहचान के लिए सीमावर्ती क्षेत्र के पुलिस थाना एवं चौकियों को जानकारी साझा करने के साथ ही पुलिस लगातार सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों का उपयोग कर रही है। अब तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मृतक का शव सूरजपुर जिला चिकित्सालय की मरच्यूरी में रखवाया था। मरच्यूरी के फ्रीजर में रखने के बावजूद शव में सड़न गलन होने के कारण पुलिस ने शव को शमशान घाट में दफना दिया है तथा जब्त सामग्रियों एवं मृतक के कपड़ों को सुरक्षित रखा है ताकि किसी परिचित के पहुंचने पर उसकी पहचान की जा सके। इस संबंध में एसडीओपी राजेन्द्र मण्डावी ने बताया कि फ्रीजर में रखने के बावजूद नमक की अधिक मात्रा के कारण शव में सड़न-गलन होने के कारण सूरजपुर श्मशान घाट में दफना दिया गया है। मृतक के कपड़े एवं सामग्री सुरक्षित रखे गए है। आवश्यकता पड़ने पर शव निकालकर डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

डबरी निर्माण में फर्जीवाड़ा, पानी की जगह डबरी में लहलहा रही है धान की फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत में कराये गये डबरी निर्माण में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। रोजगार सहायक ने वहां पहले से मौजूद ईंट निर्माण के दौरान निर्मित गड्ढे को डबरी निर्माण दर्शाते हुए मस्टर रोल में पूर्व सरपंच एवं अपने लोगों का नाम दर्ज कर फर्जी तरीके से लाखो रुपए आहरण कर लिया। रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा के तहत कराया गया आधा अधूरा डबरी निर्माण अब खेत बन चुका है जहां पानी की जगह अब धान की फसल लहलहा रही है। डबरी निर्माण की आड़ में हुए इस फर्जीवाड़े का खुलासा भौतिक सत्यापन के दौरान बाहर से आए ऑडिटरों ने किया। गौर करने वाली बात तो ये है कि ऑडिट में हुए खुलासे के बाद भी लाखों रुपए का फर्जीवाड़ा करने वाले रोजगार सहायक के विरुद्ध कोई कार्रवाई नही की गई। संबंधीत अधिकारियों ने मनरेगा जैसी रोजगारमूलक योजना में घपला करने वाले रोजगार सहायक के विरुद्ध कार्यवाही करने के बजाए उसे अभयदान दे दिया।

- भौतिक सत्यापन के दौरान हुआ खुलासा लेकिन कार्रवाई नहीं

प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत बनेया में बीते साल मनरेगा योजना के पंजीकृत मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने तीन लाख की लागत से डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था।मनरेगा योजना के तहत यह डबरी ग्राम प्रतापगढ़ निवासी राधेश्याम आ. सुदामा के नाम से स्वीकृत हुआ था जिनके स्वामित्व वाली जमीन ग्राम बनेया में मौजूद है। जिस जगह पर उनकी ये जमीन मौजूद हैं वहां पूर्व में ईंट निर्माण के लिए मिट्टी की निकासी हेतु गड्ढा खोदा गया था। जिसकी वजह से वो जगह पहले से गहराई लिए हुए हैं जिसे बड़ी आसानी से डबरी का स्वरूप दिया जा सकता था। यह बात ग्राम पंचायत बनेया के रोजगार सहायक को पता थी और उसने सोची समझी योजना के तहत राधेश्याम को हितग्राही बनाया ताकि वो डबरी निर्माण की आड़ में आसानी से अपने मंसूबे को अंजाम दे सके। रोजगार सहायक ने हितग्राही को अपने झांसे में लेते हुए योजना अनुसार कार्यालय में जमा करने वाले जरूरत के सारे दस्तावेज लेकर उनके नाम से डबरी स्वीकृत करा लिया। इसके बाद रोजगार सहायक ने लोगों को दिखावे के लिए मौके पर डबरी निर्माण के नाम पर मजदूरों से काम शुरू कराया और दो चार दिन बाद काम बंद करा दिया। इस संबंध में विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि रोजगार सहायक ने मौके पर मौजूद गड्ढे में मेड़बंदी के बाद डबरी निर्माण कार्य बंद करा दिया जिसकी वजह से डबरी निर्माण अधूरा ही रह गया। गौर करने वाली बात तो यह है कि डबरी निर्माण के दौरान मनरेगा के अधिकारियों ने भी इसकी अनदेखी की और एक बार भी मुआयना करने मौके पर नही गये और न ही इस अधूरे काम को पूरा कराने को लेकर कभी गंभीर नजर आये। विभागीय अधिकारियों की इस लापरवाही का लाभ उठाते हुए रोजगार सहायक ने इस आधे अधूरे डबरी निर्माण को कागजों में पूर्ण बता दिया और इसकी आड़ में लाखों रुपए गबन कर लिया। रोजगार सहायक ने राशि गबन करने के लिए पंजीकृत मजदूरों की जगह पूर्व सरपंच एवं अपने लोगों का नाम फर्जी तरीके से मस्टर रोल में दर्ज करते हुए अपने मंसूबों को अंजाम दिया। इस बात का खुलासा ग्राम पंचायत बनेया में हुए भौतिक सत्यापन के दौरान ऑडिटरों ने किया और संबंधित अधिकारियों को रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा के तहत डबरी निर्माण में किए गए फर्जीवाड़े से अवगत कराया लेकिन संबंधित अधिकारियों ने डबरी निर्माण में फर्जी तरीके से लाखों रुपए का घोटाला करने वाले रोजगार सहायक के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की। बहरहाल रोजगार सहायक द्वारा कराया गया आधा अधूरा डबरी निर्माण आज भी अपने साथ हुए फर्जीवाड़े की पोल खोल रहा है। कागजों में लाखों रुपए की लागत से बना डबरी अब पूरी तरह खेत बन चुका है जहां पानी की जगह अब धान की फसल लहलहा रही है।

इस संबंध में सीईओ जनपद पंचायत जयगोविंद गुप्ता ने टीम भेजकर जांच कराने की बात कही है।



हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना



प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया
पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736

पांच दिवसीय सप्ताह लागू करने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

अंबिकापुर। पांच दिवसीय सप्ताह लागू करने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। बैंक कर्मियों ने सेन्ट्रल बैंक रीजनल ऑफिस के समक्ष एकत्र होकर अपना विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों के पूर्ण नहीं होने पर चरणबद्ध आन्दोलन की चेतावनी दी।

- सेन्ट्रल बैंक रीजनल ऑफिस के समक्ष किया प्रदर्शन, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

गुरुवार की शाम युनाईटेड फोरम ऑफ बैंक युनियन के बैनरतले बैंक कर्मियों के क्षेत्रीय कार्यालय सेन्ट्रल बैंक के समक्ष एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। बैंक कर्मियों ने 5 दिवसीय सप्ताह लागू करने, परफॉर्मेंस लिंक इंसेंटिव (पीएलआई) योजना मे बदलाव कर सभी कर्मचारी को उनके केडर के अनुसार मिलना चाहिए इसके साथ लंबित मांगो को जल्द लागू करने की सरकार को अल्टीमेटम दी गई। मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों ने 11 सितंबर को एक दिवसीय और 28 से 30 सितंबर को 3 दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। एआईबोओसी छत्तीसगढ़ आफिसर्स् यूनियन के प्रेसिडेंट श्याम गुप्ता ने बताया कि मांगो का समाधान नही होने पर 28 अक्टूबर से अनिश्चित हड़ताल पूरे भारत वर्ष के बैंको द्वारा की जायेगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को आह्वान किया कि हमारी एकता, अनुशासन एवम सामूहिक ताकत का ये एक परीक्षा है। हर सदस्य दृढ खड़ा रहे, जिम्मेदारी के साथ काम करे एवम साझा उद्देश्य के साथ संयतित रहे। इस दौरान बैंककर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स यूनियन के कुमुद शुक्ला, सत्याबीर सिंह, स्टेट बैंक ऑफिसर्स यूनियन के क्षेत्रीय सचिव मुकेश भगत, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऑफिसर्स यूनियन के क्षेत्रीय सचिव ईशान राज एवं अधिकारी सुश्री पल्लवी सहित अन्य बैंककर्मी मौजूद थे।





